



‘रकांपा को संस्थापकों से छीनकर निर्वाचन आयोग ने दूसरों को दे दिया’

पृष्. 11 फरवरी (भाषा)

शरद पवार ने रविवार को कहा कि अजित पवार के नेतृत्व वाले ग्रुप को राज्यपाल को संस्थापकों (पाटी) नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने का निर्वाचन आयोग का फैसला गलत करने वाला है। पवार ने साथ ही कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया और इसे (आयोग ने) दूसरों को दे दिया।



जब से भाजपा सत्ता में आई, तब से उसके किसी नेता को इंडी का सामना नहीं करना पड़ा है : पवार

पृष्. 11 फरवरी (भाषा)

शरद पवार ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए कार्यक्रम और विचारधारा अहम है जबकि किसी चुनाव चिह्न को उपयोगिता एक सीमित समय के लिए होती है। उन्होंने कहा, मुझे पसंद है कि लोग निर्वाचन आयोग के फैसले का समर्थन नहीं करेंगे। इसके खिलाफ हमने उचित न्यायाचार का दरवाजा खटखटाया है। शरद पवार ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने न केवल भारा चुनाव चिह्न छीना, बल्कि भारा पाटी भी दूसरों को दे दी। पवार ने रकांपा की थीयना 1999 में की थी। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है।

अभ्यर्थियों को आज नियुक्ति पर बांटें प्रधानमंत्री

जमनाल ब्यू नई दिल्ली, 11 फरवरी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अजित पवार के नेतृत्व वाले ग्रुप को संस्थापकों (पाटी) नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने का निर्वाचन आयोग का फैसला गलत करने वाला है। पवार ने साथ ही कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए कार्यक्रम और विचारधारा अहम है जबकि किसी चुनाव चिह्न को उपयोगिता एक सीमित समय के लिए होती है। उन्होंने कहा, मुझे पसंद है कि लोग निर्वाचन आयोग के फैसले का समर्थन नहीं करेंगे। इसके खिलाफ हमने उचित न्यायाचार का दरवाजा खटखटाया है। शरद पवार ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने न केवल भारा चुनाव चिह्न छीना, बल्कि भारा पाटी भी दूसरों को दे दी। पवार ने रकांपा की थीयना 1999 में की थी। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है।

बिहार में वोट पाने के लिए कर्पूरी ठाकुर को दिया भारत रत्न : उद्धव ठाकुर

मुंबई, 11 फरवरी (भाषा)



शिवसेना (यूडीए) के अध्यक्ष उद्धव ठाकुर ने रविवार को दावा किया कि आत्मीय लोकचारा चुनाव में बिहार से वोट हासिल करने के लिए नरेंद्र मोदी की सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को बिहार से सम्मानित किया है। शिवसेना के यहां एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकुर ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ववर्ती संघटन भारतीय जन सेना में सरकारी नौकरीयों में अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) को 26 फीसद आरक्षण देने के ठाकुर के फैसले का विरोध किया था।

प्रकृष कल्याण आर्इएलसी-26

केंद्र प्रशासक, बीएम प्रिंटर, प्रशासक, मुंबई, महाराष्ट्र, 400009। कर्पूरी ठाकुर, 2013 की तारीख 13 की प्रकृष (A) और कर्पूरी ठाकुर, 2014 में प्रिंटर (B) (C) के अनुसार।

हिंदूजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

केंद्र प्रशासक, बीएम प्रिंटर, प्रशासक, मुंबई, महाराष्ट्र, 400009। कर्पूरी ठाकुर, 2013 की तारीख 13 की प्रकृष (A) और कर्पूरी ठाकुर, 2014 में प्रिंटर (B) (C) के अनुसार।

अधिकारियों/व्यक्तिगत

अधिकारियों/व्यक्तिगत: कर्पूरी ठाकुर, 2013 की तारीख 13 की प्रकृष (A) और कर्पूरी ठाकुर, 2014 में प्रिंटर (B) (C) के अनुसार।

अधिकारियों/व्यक्तिगत

अधिकारियों/व्यक्तिगत: कर्पूरी ठाकुर, 2013 की तारीख 13 की प्रकृष (A) और कर्पूरी ठाकुर, 2014 में प्रिंटर (B) (C) के अनुसार।

अधिकारियों/व्यक्तिगत

अधिकारियों/व्यक्तिगत: कर्पूरी ठाकुर, 2013 की तारीख 13 की प्रकृष (A) और कर्पूरी ठाकुर, 2014 में प्रिंटर (B) (C) के अनुसार।

‘भुजबल को नए ओबीसी राजनीतिक संगठन का नेतृत्व करना चाहिए’

मुंबई, 11 फरवरी (भाषा)

चौधरी बहजुज आघाड़ी (वीवीए) के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने रविवार को महाराष्ट्र के मंत्री छान भुजबल को नए ओबीसी संगठन में उसके नेता के तौर पर शामिल होने की सलाह दी और कहा कि अगर भुजबल ऐसा करते हैं तो वे उन्हें समर्थन देंगे। वीवीए, अब पिछले डीहिया गठबंधन का हिस्सा है। महाराष्ट्र के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री भुजबल, उप मुख्यमंत्री अजित पवार और राज्यपाल को संस्थापकों (पाटी) नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने का निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए कार्यक्रम और विचारधारा अहम है जबकि किसी चुनाव चिह्न को उपयोगिता एक सीमित समय के लिए होती है। उन्होंने कहा, मुझे पसंद है कि लोग निर्वाचन आयोग के फैसले का समर्थन नहीं करेंगे। इसके खिलाफ हमने उचित न्यायाचार का दरवाजा खटखटाया है। शरद पवार ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने न केवल भारा चुनाव चिह्न छीना, बल्कि भारा पाटी भी दूसरों को दे दी। पवार ने रकांपा की थीयना 1999 में की थी। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री भुजबल, उप मुख्यमंत्री अजित पवार और राज्यपाल को संस्थापकों (पाटी) नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने का निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए कार्यक्रम और विचारधारा अहम है जबकि किसी चुनाव चिह्न को उपयोगिता एक सीमित समय के लिए होती है। उन्होंने कहा, मुझे पसंद है कि लोग निर्वाचन आयोग के फैसले का समर्थन नहीं करेंगे। इसके खिलाफ हमने उचित न्यायाचार का दरवाजा खटखटाया है। शरद पवार ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने न केवल भारा चुनाव चिह्न छीना, बल्कि भारा पाटी भी दूसरों को दे दी। पवार ने रकांपा की थीयना 1999 में की थी। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री भुजबल, उप मुख्यमंत्री अजित पवार और राज्यपाल को संस्थापकों (पाटी) नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए जाने का निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए कार्यक्रम और विचारधारा अहम है जबकि किसी चुनाव चिह्न को उपयोगिता एक सीमित समय के लिए होती है। उन्होंने कहा, मुझे पसंद है कि लोग निर्वाचन आयोग के फैसले का समर्थन नहीं करेंगे। इसके खिलाफ हमने उचित न्यायाचार का दरवाजा खटखटाया है। शरद पवार ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने न केवल भारा चुनाव चिह्न छीना, बल्कि भारा पाटी भी दूसरों को दे दी। पवार ने रकांपा की थीयना 1999 में की थी। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने उन लोगों के हाथों से पाटी छीन ली जिन्होंने इसे बनाया, आम बचपन। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है।

PUBLIC ANNOUNCEMENT: THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES...

AKUMS DRUGS AND PHARMACEUTICALS LIMITED

Akums: Our Company was incorporated as a public company limited by shares under the Companies Act, 1956, as amended, in the name of 'Akums Drugs and Pharmaceuticals Limited'...

INITIAL PUBLIC OFFER UP TO 1% (EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 2 EACH ("EQUITY SHARES") OF AKUMS DRUGS AND PHARMACEUTICALS LIMITED ("COMPANY" OR "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ 14 PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ 14 PER EQUITY SHARE ("OFFER PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ 140 MILLION...

THE FACE VALUE OF EQUITY SHARES ₹ 2 EACH, THE OFFER PRICE IS ₹ 14 TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES, THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BOOK RUNNING LEAD MANAGERS AND WILL BE ADVERTISED IN ALL EDITIONS OF "THE ANGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER AND ALL EDITIONS OF "THE HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER (HINDI ALSO BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF DELHI WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED)...

In case of any revision to the Price Band, the Bid Offer Period will be extended by at least three additional Working Days following such revision of the Price Band, subject to the Bid Offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company, in consultation with the Book Running Lead Managers, for reasons to be recorded in writing, may extend the Bid Offer Period for a minimum of three Working Days, subject to the Bid Offer Period not exceeding 10 Working Days...

The Offer is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b) of the SCRR read with Regulation 31 of the SEBI ICDR Regulations and in compliance with Regulation 62 of the SEBI ICDR Regulations, wherein not less than 75% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") ("QIB Portion")...

This public announcement is being made in compliance with the provisions of Regulation 26(2) of the SEBI ICDR Regulations to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares pursuant to and in compliance with the DRHP dated February 10, 2024 with the Securities and Exchange Board of India ("SEBI") on February 11, 2024.

Pursuant to Regulation 78(1) of the SEBI ICDR Regulations, the DRHP filed with SEBI shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days from the date of such filing by hosting it on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, websites of the Stock Exchanges i.e., BSE and NSE at www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively, and the websites of the Book Running Lead Managers ("BRLMs"), i.e., ICICI Securities Limited, Axis Capital Limited, Cignigroup Global Markets India Private Limited and Ambit Private Limited at www.icicisecurities.com, www.axiscapital.com, www.online.cibank.com/in/initialpublicoffer/ and www.ambit.com, respectively. Our Company hereby invites the public to provide comments on the DRHP filed with SEBI, with respect to disclosures made herein. All comments must be received by SEBI and/or our Company and the Company Secretary & Compliance Officer of our Company and the BRLMs in relation to the Offer on or before 5.00 p.m., on 21st Feb 2024 from the address of the DRHP.

Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and Bidders should not invest any funds in the Offer unless they can afford to take the risk of being their investment. Bidders are advised to read the section titled "Risk Factors" of the RHP, once available, carefully before taking an investment decision in the Offer. For taking an investment decision, Bidders must rely on their own examination of our Company and the Offer, including the risks involved. The Equity Shares in the Offer have neither been recommended, nor approved by the SEBI, nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of this Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the Bidders is invited to "Risk Factors" on page 27 of the DRHP.

Table with 5 columns: Particulars, Consolidated, Quarter Ended, Nine Month Ended, Year Ended. Rows include Revenue from operations, Profit/(Loss) before exceptional items and tax, Profit/(Loss) before tax, Total tax, Net Profit/(Loss) after tax, Total comprehensive income, Earnings Per Share, Basic, Diluted.

Table with 5 columns: Company Name, Address, Contact Person, SEBI Registration No. Includes ICICI Securities, Axis Capital, Citi, Ambit, and Link Intime.

For AKUMS DRUGS AND PHARMACEUTICALS LIMITED: On behalf of the Board of Directors, Dharamraj Malik, Company Secretary & Compliance Officer.

YATHARTH HOSPITAL & TRAUMA CARE SERVICES LIMITED: Regd. Office: JA 108 DLF Tower A Na Jaisala District Centre South Delhi, DL 110025 India. Corporate Office: H-01, Sector-1 Greater Kirti West Gurgaon Gurgaon Haryana UP 201306 India. Website: www.yatharthhospitals.com. CIN: L85110DN2089PL174706.

AKUMS DRUGS AND PHARMACEUTICALS LIMITED: We are proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares with SEBI on February 11, 2024. The DRHP shall be available to the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, websites of the Stock Exchanges i.e., BSE and NSE at www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively, and the websites of the BRLMs, i.e., ICICI Securities Limited, Axis Capital Limited, Cignigroup Global Markets India Private Limited and Ambit Private Limited at www.icicisecurities.com, www.axiscapital.com, www.online.cibank.com/in/initialpublicoffer/ and www.ambit.com, respectively.